'ग्लोबल वार्मिंग के दौर में प्रत्येक व्यक्ति सार-सम्भाल का संकल्प लेकर वृक्षारोपण करें'

■ कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (निसं)। ग्लोबल वार्मिंग के दौर में वृक्षारोपण का प्रत्येक व्यक्ति संकल्प लेकर वृक्षारोपण करें और उसका रखरखाव की जिम्मेदारी भी ले। वन रहेंगे तो हम रहेंगे। पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर से कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने मंगलवार को पत्नी कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि पर आयोजित पौधा वितरण कार्यक्रम के दौरान सभी से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाए अपने घर के बाहर भी एक पौधा अवश्य लगे और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं।

कोटा में कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि मनाई गई।

स्टेशन रोड स्थित निजी रेस्टोरेंट परिसर में आयोजित स्वर्गीय कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि के मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और शहरवासियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों ने स्वर्गीय कोमल धारीवाल की तस्वीर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ता कोमल धारीवाल अमर रहे के नारे लगाते पहुंचे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात पीसीसी महासचिव शांति धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल और पौत्र गर्वित धारीवाल ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों को वितरित किऐं।

संकल्प लेकर लौटे कार्यकर्ता:- पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए कांग्रेस कार्यकर्ता और शहरवासियों ने अलग-अलग प्रजाति के पौधे लेने के बाद उनके रखरखाव का भी संकल्प लिया। नीम, गुलमोहर, जामुन, अर्जुन समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे शहरवासी और कार्यकर्ताओं ने पौधा वितरण कार्यक्रम के तहत लिए और वृक्षारोपण के लिए दूसरे लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद:- पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए सभी लोगों ने स्व.कोमल धारीवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की इस दौरान महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम कांग्रेस नेता डॉक्टर जफर मोहम्मद, शिवकांत नंदवाना, महापौर मंजू मेहरा उप महापौर सोनू कुरैशी, पूर्व उप महापौर राकेश सोरल, ब्लॉक अध्यक्ष नेवालाल गुर्जर ललित शर्मा विष्णु मेवाड़ा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्षद कार्यकर्ता एवं शहर वासी उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा रसोई में भोजन कराया, फल वितरण:- समाजसेवी स्व.कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया इस कार्यक्रम में कोटा उत्तर विधायक एवं पूर्व मंत्री शांति धारीवाल के हाथों द्वारा एमबीएस अस्पताल में स्थित श्री अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से निशुल्क भोजन व अस्पताल में भर्ती मरीज के लिए फल फ्रूट के पैकेट बांटे गऐं एवं पक्षियों के लिए भी दाना पानी देकर परोपकार किया। एमबीएस हॉस्पिटल में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई के संचालक अजय दरड़ा मैं बताया कि इस अवसर पर राजेंद्र सांखला शिवकांत नंदवाना गर्वित धारीवाल पार्षद देवेश तिवारी विष्णु मेवाड़ा दिनेश खटीक अभिमन्यु सुराणा मनीष कोहली एवं कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

'प्रति माह पहली तारीख को शिक्षण संस्थानों में नशा मुक्ति शपथ दिलाएं'

■ नशा मुक्ति की जागरुकता के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नेशनल फंड फॉर ड्रग अब्युज के अंतर्गत नशा विरोधी गतिविधियों को धरातल पर अधिक प्रभावशाली तरीके से लागू करने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयारी की जाएगी एवं नशा मुक्ति की जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

मंगलवार को नशा मुक्ति से संबंधित जिला कलक्टर डॉ.रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी कोचिंग संस्थानों एवं विद्यालयों में 6 से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रति माह की पहली तारीख को नशे के खिलाफ प्रतिज्ञा दिलवाई जाए तथा इसका ई-सर्टिफिकेट जारी किया जाऐं। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिऐं कि सभी बार, कैफे, रेस्टोरेंट आदि के परिसर में एंटीड्रग के संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड आवश्यक रूप से अभियान स्तर पर लगाए जाएं।

शिक्षण संस्थानों, लायब्रेरी आदि के पास स्थित पान और चाय की दुकानों का औचक निरीक्षण किया जाए। निजी नशा मुक्ति केन्द्रों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। मेडिकल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पुलिस की टीम नशा मुक्ति केन्द्रों का ऑडिट करें। डार्क नेट के माध्यम से ड्रग की तस्करी पर निगरानी एवं नियंत्रण के लिए साइबर पैट्रोलिंग में वृद्धि की जाए। नशे के दुष्प्रभावों को आमजन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा एच श्रेणी के फार्मा ड्रग के क्रय-विक्रय स्टॉक आदि को ट्रैक किए जाने के लिए तंत्र विकसित किया जाऐं। बैठक में अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी, शहर कृष्णा शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय शर्मा, संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सविता कृष्णिया, सीएमएचओ डॉ.जगदीश सोनी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जुलाई माह में तीन लाख टन यूरिया माल लदान का किया

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के कुशल मार्गदर्शन, वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वय से वित्तीय वर्ष के 2024-25 के जुलाई माह में 239 मालगाड़ी रैक से 0.584 मिलियन टन का माल लदान किया। जिससे कुल 73.12 करोड़ रूपए का आय अर्जित हुआ। यदि जुलाई माह के कमोडिटी वाइज लोडिंग आंकड़ों पर नजर डालें तो पाएंगे कि सबसे अधिक यूरिया 0.297 मिलियन टन लदान से 32.80 करोड़, क्लिंकर 0.061 मिलियन टन से 8.38 करोड़, सीमेन्ट 0.135 मिलियन टन से 11.20 करोड़, फूड ग्रेन 0.041 मिलियन टन से 11.50 करोड़, कंटेनर 0.024 मिलियन टन से 3.15 करोड़ एवं अन्य 0.026 मिलियन टन से 6.10 करोड़ रूपये रूपए का राजस्व अर्जित हुआ।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारुप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता की पहली अनुसूची संख्या-4)
नाम अदालत-कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधि. बारां मुख्यालय कोटा (राज.)
राम प्रसाद विरूद्ध फर्म ज्योति किरण वाद/ प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 3 व 22 कामगार क्षतिपूर्ति अधि.
फर्म ज्योति किरन स्टोन क्रेशर प्रोपराईटर सम्पतराज नागर पुत्र जगदीश प्रसाद जाति धाकड़ निवासी ग्राम बडोरा तह. अटरु जिला बारां (राज.) 325223 उक्त प्रार्थीया ने इस अदालत यह आवेदन किया है कि-
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आपके आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए ता. 30 मास 09 सन् 2024 को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे संपर्क रुप से अनुदेश दिया गया हो संज्ञात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रुप में किया जावे।
यह आज ता. 05 मास 08 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
अति. प्रशासनिक अधिकारी
रीडर
आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिकरण
बून्दी, बारां, झालावाड़ मु. कोटा

सार-समाचार

'वैकल्पिक स्थान तलाश कर बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन शुरू करें'

कोटा, (निसं)। बजट घोषणा एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी ने निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाईन का गंभीरता से पालन किया जाए। जो कार्य वैकल्पिक भवन या भूमि पर शुरू कराए जा सकते हैं उनके लिए स्थान की तलाश कर कार्य की शुरुआत की जाऐं। निर्देश दिए गए कि सभी जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से उनके अधीन फील्ड कार्यालयों एवं ''आओ गांव चले'' अभियान अंतर्गत निरीक्षण एवं निर्देशानुसार कार्य किया जाए। डेंगू एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण की समीक्षा करते हुए उन्होंने सीएमएचओ को एंटी लार्वा गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों को अधिक व्यापक बनाने के निर्देश दिए। संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रकरणों के निस्तारण में और गति लाई जाऐं तथा संतुष्टि स्तर में वृद्धि की जाऐं। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी, अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग कृष्णा शुक्ला, केडीए सचिव कुशल कोठारी, सीईओ जिला परिषद अशोक त्यागी, नगर निगम (उत्तर) आयुक्त अनुराग भार्गव, नगर निगम (दक्षिण) आयुक्त सरिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आज से

कोटा, (निसं)। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान-''एक पेड़ मां के नाम'' अन्तर्गत कोटा में हरियाली तीज के अवसर पर 7 अगस्त को जिले भर में एक साथ वृहत् स्तर पर सघन पौधारोपण किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने सभी विभागीय अधिकारियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल अनंतपुरा स्थित लवकुश वाटिका में पहुंचकर पौधारोपण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभागों की इसमें भागीदारी रहे तथा अधिकाधिक पौधारोपण कर प्रत्येक पेड़ की जियो टैगिंग सुनिश्चित की जाए। विभिन्न संस्थाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाऐं। जिला परिषद के मुख्यकारी अधिकारी अशोक त्यागी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिलेभर में पहाड़ियों, चारागाह भूमि, सड़क किनारे, विद्यालयों, अमृत सरोवर, जल स्रोतों के किनारे पौधारोपण कर जिले को हरा-भरा बनाया जाएगा। जन प्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के सहयोग से वृहत् स्तर पर पौधे रोपे जाएंगे।

'आओ पेड़ लगायें' गीत का विमोचन

कोटा, (निसं)। राजस्थान सरकार के पूर्व संसदीय सचिव भवानी सिंह राजावत ने कहा है कि हमें विरासत को जो धरती, मिट्टी, हवा, पानी मिले हैं यह प्रकृति का अनमोल उपहार था लेकिन हमने विकास की राह पर दौड़ने के चक्कर में इस उपहार को नष्ट कर दिया गया है अपनी स्वयं की जननी धरती को कलंकित और वृक्षविहीन कर दिया है। आज यदि हम इंसानों को बचाना चाहते हैं तो हमें धरती को इसका पुराना स्वरूप लौटाना होगा और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर धरती का कर्ज चुकाना होगा। राजावत ने आज वृक्ष मित्र मण्डल के गायक सावन कुमार के गाये गीत ''आओ पेड़ लगायें'' का विमोचन कर रहे थे। ज्ञात हो कि राजावत के प्रोत्साहन पर उन्होंने इस गीत को तैयार किया है जिसमें ओम कबीर, निर्मला, अलका शर्मा, जयवीर, गुनगुन, विक्रम आदि ने अभिनय किया है, वहीं संगीत रजीनकांत का है। इस अवसर पर राजावत ने सभी कलाकारों के साथ ही मुम्बई से आई मेकअप कलाकार शिवानी कक्कड़ और रूकमणी बजाड़ को भी सम्मानित किया।

'भा.वि.प. द्वारा किए गए कार्य से समाज में परिवर्तन दिखाई देना चाहिये'

■ भारत विकास परिषद का क्षेत्रीय महिला सम्मेलन 15 सितंबर को बीकानेर में आयोजित होगा

■ क्षेत्रीय महिला सम्मेलन में दक्षिण-पूर्व प्रांत की महिला सहभागिता को लेकर बैठक हुई

कोटा, (निसं)। आगामी 15 सितंबर 2024, रविवार को बीकानेर में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय महिला सम्मेलन 'श्रीविद्या' की तैयारी हेतु आज कोटा महानगर महिला सहभागिता की बैठक भारत विकास परिषद चिकित्सालय के सूरज प्रकाश सभागार पर आयोजित की गई, भारत विकास परिषद कोटा महिला जिला प्रभारी रचना पाठक ने बताया बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम क्षेत्र के रीजनल सचिव संदीप बाल्दी थे।

विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय सचिव संस्कार किशन पाठक एवं प्रांतीय अध्यक्ष रवि प्रकाश विजय रहे, प्रांतीय महिला प्रमुख सुनीता गोयल जोली ने बताया कि आगामी 15 तारीख को बीकानेर में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय महिला सम्मेलन में दक्षिण-पूर्व प्रांत की महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रहेगी इसी संदर्भ में कोटा महानगर महिला सहभागिता की बैठक आयोजित की गई जिसमें अधिकतम संख्या में उपस्थित सुनिश्चित करने हेतु सभी महिला पदाधिकारी को आग्रह किया गया।

बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के रीजनल सचिव संदीप बाल्दी ने कहां की भारत विकास परिषद की महिला सहभागिता द्वारा किऐं गए कार्यो से समाज में परिवर्तन दिखाई देना चाहिऐं, अधिकतम महिला सहभागिता के प्रयास से परिषद के कार्य का विस्तार हो सकें, परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से समाज में आमजन को लाभ मिल सकें, विभिन्न सेवा एवं संस्कार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके सुख दुख में सहभागी हम बन सके इन सभी उद्देश्यों को लेकर क्षेत्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन बीकानेर में किया जा रहा है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे महिला सहभागिता के विभिन्न विषयों पर गहन चिंतन एवं विचार-विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन के तीन सत्र होंगे जिसमें प्रथम उद्घाटन सत्र में परिचय सत्र एवं भारत विकास परिषद में महिला सहभागिता के उद्देश्यों पर चर्चा की जाएगी द्वितीय सत्र में सभी प्रांतो की महिला संयोजिकाओं द्वारा विचार व्यक्त किए जाएंगे, क्षेत्रीय महिला सम्मेलन में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय, रीजनल एवं महिला सहभागिता पदाधिकारिओं की उपस्थिति होगी, क्षेत्रीय महिला सम्मेलन में उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के सभी सात प्रांतो की महिला प्रतिनिधि भाग लेंगी, क्षेत्रीय सचिव संस्कार किशन पाठक ने कहा कि दक्षिण-पूर्व प्रांत की महिलाओं द्वारा महिला सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहे हैं, प्रांत द्वारा किए जा रहे कार्यों की क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं को जानकारी प्राप्त हो तथा सभी महिला प्रतिनिधि सम्मेलन में अवश्य भाग ले, प्रांतीय अध्यक्ष रविप्रकाश विजय ने कहा कि क्षेत्रीय महिला सम्मेलन में सर्वाधिक भागीदारी हमारे प्रांत की महिला प्रतिनिधियों की हो ऐसा सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए उन्होंने बताया कि प्रांत में विशेष रूप से महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना एवं रोजगार के माध्यम से स्वावलंबी बनाना इस विषय पर काफी तेज गति से कार्य किया जा रहा है आगामी समय में इसका सकारात्मक परिणाम सभी के सामने होगा बैठक में भारत विकास परिषद राष्ट्रीय प्रकल्प सदस्य कुसुम शर्मा, राष्ट्रीय समूह गान प्रकल्प प्रभारी उमा पालीवाल, सह प्रभारी गिरजेश विजय, प्रांतीय एक शाखा- एक बस्ती प्रकल्प प्रभारी सोनल गोयल, सह-प्रभारी अर्चना खंडेलवाल, शाखा अध्यक्ष कविता शर्मा, शीलू जैन, सुनीता केदावत, बेला चतर, सीमा खंडेलवाल, वंदना मलिक, मंजू बंसल, प्रीति भटनागर, सोनिया शर्मा, नितेश त्रिपाठी, अनीता अग्रवाल, सुशीला औदिच्य, निर्मला मुंदडा, अंबिका शर्मा, रश्मि गुप्ता,रेखा पालीवाल, आदि की उपस्थिति रही।

स्वनिधि से समृद्धि शिविर का आयोजन

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर के प्रशासनिक भवन में स्वनिधि से समृद्धि तीन दिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर मे 65 लाभार्थियों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग की गई।

नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अनुराग भार्गव ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग कर केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से शिविर में जोड़ा जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि शिविर संचालन के दौरान मंगलवार को 65 लाभार्थियों की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाईलिंग कर पोर्टल पर ऑनलाइन की गई। जिससे कि लाभार्थियों को केन्द्र की योजनाओं का लाभ मिल सकें। डे-एनयूएलएम के प्रबंधक संदीप जोशी ने बताया कि शिविर में डिजिटल लेन-देन के लिए स्ट्रीट वेंडर्स को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बैंक द्वारा दिए जा रहे बीमा स्कीम की जानकारी भी शिविर में दी गई। उन्होने बताया कि शिविर में यूनियन बैंक की प्रतिनिधि प्रियंका पाटिल ने यूनियन बैंक के आवेदकों को ऋण वितरण करने में आ रही समस्या को मौके पर ही निस्तारण करवाया और इस दौरान सात आवेदकों को ऋण स्वीकृत कर इनमे से तीन आवेदकों को ऋण वितरण किए गए। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक मयंक बंसल व राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि योगेश कुमार मधुरिया ने अपने बैंक से संबंधित ऋण प्रकरणों का भी शिविर मे समाधान किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य GRIHUM HOUSING FINANCE LIMITED शाखा कोटा द्वारा श्रीमती पुष्पा नारी पत्नी स्व.श्री नरेन्द्र कुमार निवासी 68 बापू नगर कंसुआ कोटा को उनके स्वामित्व के एक मकान (पट्टा नं.-1336) पैमायशी-1550.90 वर्गफुट वाके बापू नगर, कंसुआ कोटा (राज.) में स्थित है जिसके पूर्व में गली, पश्चिम में रोड, उत्तर में अन्य मकान, दक्षिण में मकान श्री राम बहादुर जी से बद्ध है, को रहन रखकर ऋण दिया जा रहा है।
उक्त मकान का पट्टा क्रमांक-1336 दिनांक 01.11.2022 को नगर निगम कोटा, उत्तर द्वारा श्रीमती पुष्पा नारी के पति श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मोती लाल के पक्ष में जारी किया गया था जिसका पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक कोटा में दिनांक 11.11.2022 को हो रहा है। श्री नरेन्द्र कुमार का स्वर्गवास दिनांक 29.02.2024 को हो जाने के पश्चात स्व. नरेन्द्र कुमार जी के विधिक उत्तराधिकारी/वारिसान क्रमशः रेखा कुमार, शीला, मीना, चन्द्रकांता पुत्रियां स्व.श्री नरेन्द्र कुमार एवं ललित कुमार पुत्र स्व.श्री नरेन्द्र कुमार ने उक्त मकान में निहित उनके सम्मिलित अविभाजित हिस्से का हक त्याग श्रीमती पुष्पा नारी पत्नी स्व.श्री नरेन्द्र कुमार के पक्ष में जर्ये रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) दिनांक 15.07.2024 से कर दिया है। हकत्याग पत्र के पंजीयन के पश्चात से श्रीमती पुष्पा नारी उक्त मकान की एक मात्र मालिक चली आ रही है। तथा श्रीमती पुष्पा नारी द्वारा उक्त मकान की रहन रखकर GRIHUM HOUSING FINANCE LIMITED शाखा कोटा से ऋण प्राप्त किया जा रहा है।
उक्त सम्पत्ति को रहन रखकर ऋण देने के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति, बैंक या अन्य को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता को 7 दिवस के भीतर-भीतर सूचित कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
भवदीय
अब्दुल शकील, एडवोकेट
मो. 7023198160

'अपना स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के लिए आभा बनाओ डिजिटल हो जाओ'

कोटा, (निसं)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 'आभा बनाओ, डिजिटल हो जाओ' अभियान में प्रत्येक नागरिक की आभा (आयुष्मान भारत हैल्थ अकाउन्ट) आईडी बनाई जा रही है। इसमें डिजिटल रूप में व्यक्ति का स्वास्थ्य रिकॉर्ड मौजूद रहेगा। जिले की अनुमानित आबादी 22 लाख 63 हजार मे से अब तक करीब 8 लाख 24 हजार की आभा आईडी बन पाई है और 36 फीसदी लक्ष्य हासिल हुआ है। चिकित्सा विभाग अगस्त महीने में ही सभी की आभा आईडी बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सीएमएचओ डॉ जगदीश सोनी ने बताया कि आभा आईडी स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक बना रहे हैं। लेकिन लाभार्थी स्वयं भी अपनी आभा आईडी बना सकता है। ये अकाउंट मोबाइल में भी आराम से जनरेट हो जाएगा। इसके अलावा विभिन्न माध्यमों जैसे आभा पोर्टल, एनसीडी पोर्टल, आशा एएनएम डिजिटल हेल्थ एप, ई-संजीवनी, आईएचएमएस, पेटीएम आदि के माध्यम से आसानी से बनाई जा सकती है। स्वास्थ्य कार्मिकों को गंभीरता के साथ आभा आईडी बनाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी चिकित्सा संस्थानों में आईएचएमएस के माध्यम से आभा आईडी बनाने के लिए पांबद किया गया है।

आभा आईडी बनवाने के फायदे:- जिन व्यक्तियों के पास 14 अंको की आभा आईडी होगी। ईलाज के लिए हर जगह रिपोर्ट्स या पर्चियां ले जाने की जरूरत नही पड़ेगी। इसमें आपका ब्लड ग्रुप, बीमारी या समस्या, दवाई और डॉक्टर से रिलेटेड सभी जानकारी मौजूद होगी। आप अपने सभी मेडिकल रिकॉर्ड जैसे लेब रिपोर्ट, नुस्खे और डायग्नोसिस दिखा सकेगें। ऑनलाइन ईलाज, टेली मेडिसिन, निजी डॉक्टर, ई-फार्मेसी, और पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी सुविधाएं मिल जाएंगी।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक: LU2012/KOT/2024-25/100741 **लोक सूचना** दि. 06.08.2024
श्री OM PRAKASH NAGAR पुत्र श्री GIRIRAJ PRASAD NAGAR जाति NAGAR निवासी HOUSE NO 17 DEOLI ARAB ROAD ROYAL PARK RAIPURA KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	धाकड़ खेड़ी, लाडपुरा (कोटा)	1.AMAR LAL S/O HATTYA 2.GORDHANI D/O CHOTH MAL 3.CHANDRA KALA D/O CHOTH MAL 4. MODU LAL S/O HATTYA 5.RAGHUNATH PRASAD S/O HATTYA, 6 RAMDAYALI D/O CHOTH MAL 7.RAMNIWAS S/O CHOTH MAL 8.LAXMI MEHRA W/O MAYANK KUMAR MEHRA 9. VIDHYA BAI D/O CHOTH MAL	375 PART	1300	0.13
2.	धाकड़ खेड़ी, लाडपुरा (कोटा)	1.AMAR LAL S/O HATTYA 2.GORDHANI D/O CHOTH MAL 3.CHANDRA KALA D/O CHOTH MAL 4. MODU LAL S/O HATTYA 5.RAGHUNATH PRASAD S/O HATTYA, 6 RAMDAYALI D/O CHOTH MAL 7.RAMNIWAS S/O CHOTH MAL 8.VIDHYA BAI D/O CHOTH MAL	376	4200	0.42
			377	13100	1.31
			379	1300	0.13
				कुल	1.99

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम,1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06/08/2024 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक: LU2012/KOT/2024-25/100735 **लोक सूचना** दि.06.08.2024
श्री GANPAT LAL SHARMA पुत्र श्री HARINARAYAN SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHOPPING CENTER KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	पोलाई कलां, दीगोद ()	GANPAT LAL SHARMA S/O HARI NARAYAN SHARMA CASTE BRAHMIN KOTA KHATEDAR	129	14550	1.455
				कुल	1.455

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम,1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06/08/2024 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)
क्रमांक: LU2012/KOT/2024-25/100742 **लोक सूचना** दि.06.08.2024
श्री ARVIND RATHOR पुत्र श्री RAM NIWAS RATHOR जाति TELI निवासी WARD NUMBER 42 RANGPUR ROAD NEAR LAXMI NARAYAN TEMPLE NAYA BHADANA RANGPUR KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	रोटेदा, लाडपुरा (कोटा)	(1) BABU LAL S/O BANSHI LAL HISSA 1/2 (2) RAM LAL S/O BANSHI LAL HISSA 1/2 JAATI BALAI R/O ROTEDA KOTA	80	8900	0.89
			81/443	1100	0.11
			84/444	400	0.04
2.	रोटेदा, लाडपुरा (कोटा)	(1) GIRDHARI S/O RAMESH CHAND HISSA 1/2 (2) BADRI PRASAD S/O RAMESH CHAND HISSA 1/2 R/O PRATAP COLONY RANGPUR ROAD KOTA JN.	78	1100	0.11
				कुल	1.15

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम,1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06/08/2024 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)**

वर्धमान जैन ने 45वीं बार एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। टीम जीवन दाता के सक्रिय सदस्य और प्रेरणास्त्रोत वर्धमान जैन ने एक अनजान मरीज के लिए स्वयं का दर्द भूलकर मरीज का दर्द समझते हुए 45वीं बार ए पॉजीटिव एसडीपी डोनेट की है।

टीम जीवन दाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि मरीज नफीसा की हालत गंभीर है, उन्हें पूर्व में भी करीबन 10 से 12 बार एसडीपी चढ़ाई जा चुकी है, ऐसे में परिजन उम्मीद के साथ अपना ब्लड सेंटर पहुंचे। ऐसी गंभीर स्थिति से वर्धमान जैन को अवगत कराया गया तो वह शीघ्र तैयार हो गए और अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने 45वीं बार एसडीपी डोनेट की है, इससे पूर्व वह 55 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि उन्हें कमर दर्द था लेकिन वह अपना दर्द भूल कर मरीज का दर्द समझते हुए एसडीपी डोनेशन के लिए पहुंचे। ब्लड व एसडीपी मिलकर यह उनका 100वां डोनेशन था। इस शतक को पूर्ण होने पर केक काटा गया, खुशी जाहिर की गई और लोगों को मोटिवेट किया गया, इस अवसर पर वर्धमान जैन ने कहा कि दूसरों के दुख को दूर करेंगे तो ईश्वर अपना दुख भी दूर करता है। उन्होंने कहा कि लोगों को मदद के लिए निरंतर तैयार रहना चाहिए और संभव हो सके तो मदद करनी भी चाहिए।

हाथरस और वायनाड से सबक लेने की जरूरत : विधायक संदीप शर्मा

कोटा, (निसं)। विधायक संदीप शर्मा ने मंगलवार को सत्र के आखिरी दिन राज्य में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर बोलते हुए कहा कि आपदा के प्रबंधन से पहले हमें हाथरस भगदड़ और वायनाड़ भूस्खलन से सबक लेते हुए आपदा के कारणों के निराकरण एवं आपदा की पूर्व तैयारी रखने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां सूखा होना, बहुत तेज बरसात होना, ओलावृष्टि होना और अन्य ऐसे कारणों से भारी विपदा के बीच लोगों को संघर्ष करना पड़ता है, जान और माल की हानि होती है। ऐसे विपत्ति काल के समय सरकार ने आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा की स्थापना कर रखी है। परन्तु मेरा मानना है कि इन प्राकृतिक आपदाओं में मानव जाति का भी बहुत बड़ी भूमिका होती है और हम देख रहे हैं कि थोड़े समय पहले तापमान 50 डिग्री के आसपास चला गया, हीट वेव चली। हम आधुनिकीकरण की दौड़ में बिना सोचे समझे अपने जंगलों का नाश करते जा रहे हैं, वृक्षों को काटते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड़ में एक बड़ा हादसा हमने अपनी आंखों के सामने देखा जिसमें भारी जनहानि हुई, जिस जगह भूस्खलन हुआ वहां 62 फीसदी जंगल साफ कर दिये गये थे। वहां पहाड़ 6 किमी तक सरक गये, इसलिए बहुत सचेत और सावधान होने की मानव जाति को अवश्यकता है। राजस्थान में भी समय समय पर कई बार ऐसी घटनायें हुई हैं जिन्हें मानवजनित आपदायें कह सकते हैं कई सारी ऐसी आपदायें है जिनसे हमें बचाव किया जा सकता है यदि हमारे लोग सचेत रहे वृक्षारोपण करें, दोहन न करें।

लेकिन मानव खजिनों के दोहन और वृक्षों की कटाई से ऐसी स्थिति लाकर खड़ी कर रहा है जहां पर आने वाला समय भयावह होगा। भूजल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो स्थिति राजस्थान की है, यहां पर भूजल तेजी के साथ गिरता जा रहा है, तेजी के साथ ब्लॉक डार्क जोन में परिवर्तित होते जा रहे हैं। भूजल वैज्ञानिकों का कहना है कि जयपुर जोधपुर, जैसलमेर और अजमेर की हालत खराब है और जैसी स्थिति बैंगलोर और अन्य शहरों की है 2025 तक वैसी ही स्थिति राजस्थान के कई शहरों की हो जायेगी।

यह सब स्थितियों आपदा जैसी स्थितियां ही होंगी जहां पर पानी के लिए हाहाकार मचेगा। इन सबके लिए निश्चित रूप से हमें सचेत होना पड़ेगा। विधायक शर्मा ने राज्य आपदा राहत विभाग का धन्यवाद देते हुए कहा कि विभाग ने वर्तमान में आपदा घटित होने पर तुरंत कार्रवाई एवं मोनिटरिंग हेतु बहुत सक्रियता से अपनी प्रणाली को तेज किया है और इसके विस्तार हेतु 112 टोल फ्री नम्बर पर आपदा से संबंधित कॉल हेतु राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र स्थापित करने का विचार किया है। कई जिलों में आकाशीय बिजली की घटनायें होती उनको लेकर भी लगभग 2130 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर बचाव के उपायों के लिए 63.9 करोड़ रूपये हस्तांतरित किये। आज नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को भी बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, उन्हें 28 दिवसीय फायर फाईटिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यह सारे कार्य बहुत आवश्यक हैं जहां हम अपने आपको पहले से ही तैयार कर सकें। सावधान हो सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि कोटा शहर में पिछली सरकार ने नालों में प्लॉट काट दिये, वहां पर पठारी क्षेत्र है, पठारी क्षेत्र से तेजी के साथ पानी कोटा शहर की ओर आता है और पानी का भराव कोटा शहर में हो जाता है। बाढ़ की स्थिति कई बार कोटा शहर में अनुभव की कई है है ऐसे में नालों के बीच प्लॉट काटना तर्कसंगत नहीं था। आज हालात यह हैं कि 2 दिन पानी बरस जाये तो वहां नावें चलने लगती हैं 4 दिन पानी बरस जाये तो एसडीआरएफ बुलानी पड़ती है।

उन्होंने सामूहिक एकत्रीकरण के आयोजनों का मामला उठाते हुए कहा कि आज जिस तरीके से धार्मिक या अन्य आयोजन जिनमें भारी भीड़ एकत्र होने की सम्भावना होती वहां की सुरक्षा व्यवस्था हमें पहले से ही चाक-चौबन्द करने की आवश्यकता होती है। क्योंकि जरा भी भगदड़ कई सारी जानें ले जाती है अभी हाथरस में हमने देखा कई लोग निरीह निर्दोष लोग अकाल ही काल के गाल में चले गये क्योंकि कोई व्यवस्था नहीं थी। बहुत आवश्यक है कि जिला प्रशासन भी सतर्क रहे और संबंधित थाने भी ऐसे आयोजनों के प्रति सावेचत रहे। जब भी कोई बड़े संख्या वाले कार्यक्रम आयोजित हो रहे हों तो सुरक्षा और व्यवस्था के साथ ही उनकी स्वीकृति मिलनी चाहिए लेकिन होता यह है कि आनन फानन में ऐसे कई आयोजन हो जाते हैं और उसका परिणाम यह होता है कि बड़े भीषण हादसे हमें अपनी आंखों से देखने पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल वार्मिंग को आप सभी महसूस कर रहे हैं। बरसात आती है तो तेजी के साथ पूरे क्षेत्र को अस्त-व्यस्त कर देती हैं। हीट वेव आती है तो ऐसी गर्मी होती है जो 50 डिग्री तापमान को भी पार करके लोगों को तपा देती है। मेरा मानना है कि यह सब मानवजनित आपदायें हैं और इनके लिए पूरी मानव जाति को, शासन को, सरकारों को सभी को मिलकर काम करना पड़ेगा।

कोई इस प्रकार का हादसा घटित हो उससे पहले हम उस हादसे के प्रति सचेत रहें और तुरंत कार्रवाई के लिए हमारे पास इतनी सुरक्षा व्यवस्थायें हो इतने संसाधन हो कि प्रभावितों तक तुरंत राहत पहुंचा सकें अन्यथा लोग विपदा में फंसे रहते हैं। बिना संसाधनों के बिना प्रशिक्षित लोगों के कई सारे जानें जाने का भय बना रहता है इसलिए स्थानीय स्तर पर चाहे बाढ़ से संबंधित हो चाहे आगजनी से सबंधित हों, चाहे भूकम्प से सबंधित हों इन सभी आपदाओं की स्थानीय स्तर पर निकायों द्वारा तैयारी रखनी होगी।

साथ ही इन सभी आपदाओं के लिए हमारे चिकित्सालयों को भी तैयार रखना जरूरी है, हमने कोरोना में देखा, अगर पर्याप्त ऑक्सीजन होती पर्याप्त बेड़ होते पर्याप्त संसाधन होते तो कई लोगों की हम जान बचा सकते थे। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा किसी से कहकर नहीं आती इसलिए उस आपदा के लिए हमारी तैयार कितनी है इस ओर हम प्रतिबद्धता से काम करेंगे तभी हम इनसे निपट पायेंगे।